प्रतिवेदन

संस्कृत प्रशिक्षण वर्ग

19-28/03/2025

संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं संस्कृत भारती, दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में दस दिवसात्मक 'संस्कृत प्रशिक्षण वर्ग' का सकुशल आयोजन किया गया। उक्त वर्ग के संरक्षक प्रो. श्रीनिवास बरखेड़ी (कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली), प्रो. ओमनाथ बिमली (विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली) तथा डॉ. वागीश भट्ट (अध्यक्ष, संस्कृत भारती, दिल्ली) थे। वर्ग के वर्गपालक की भूमिका प्रो. भारतेन्दु पाण्डेय (आचार्य, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय), तथा प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी (अधिष्ठाता, छात्रकल्याणसंकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने निभाई। वर्ग के मुख्य संयोजक के दायित्व का निर्वहण प्रो. रणजित् बेहेरा (आचार्य, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने तथा सह संयोजक के दायित्व का निर्वहण डॉ. धनञ्जय कुमार आचार्य (सहाचार्य, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय), डॉ. उमाशंकर (सहाचार्य, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय), डॉ. सौरभ जी (सहायकाचार्य, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने किया। इस वर्ग में लगभग 150 छात्रों ने नियमित प्रतिभाग करते हुए प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन सभी की सुव्यवस्था हेतु समस्त विभागीय प्राध्यापकों सहित लगभग 25 छात्र प्रबन्धकों ने उक्त दिनों में अपना सतत योगदान किया। इस वर्ग के अन्तर्गत सभी महाविद्यालयों के प्राध्यापकों के लिए दस दिवसीय संस्कृत शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिदिन मध्याह्नोत्तर 3 बजे से 5 बजे तक 30 प्राध्यापक–प्रशिक्षणार्थियों ने भाग ग्रहण करते हुए संस्कृत सम्भाषण कौशल का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

उक्त वर्ग का औपचारिक उद्घाटन सत्र 19 मार्च 2025 को प्रातः 10:00 बजे दिल्ली विश्वविद्यालय के कणाद भवन में आयोजित किया गया। उक्त सत्र में मुख्यतः मञ्चासीन विद्वानों में प्रो. बलराम पाणि (अधिष्ठाता, महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. पवन कुमार (परीक्षा नियन्त्रक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय), श्रीमान् नरेन्द्र कुमार (क्षेत्र सङ्गठन मन्त्री, संस्कृत भारती, उत्तर क्षेत्र), डॉ. वागीश भट्ट (अध्यक्ष, संस्कृत भारती, दिल्ली) एवं प्रो. ओमनाथ बिमली (विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली) आदि उपस्थित रहे। उक्त सत्र का संचालन प्रो. रणजित् बेहेरा ने किया। इस कार्यक्रम में विभागीय प्राध्यापकों, पञ्जीकृत वर्गार्थियों समेत अन्य महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के प्राध्यापक व छात्र भी उपस्थित रहे।

निर्धारित दिनों में प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से सायं 5 बजे तक नियमित यह वर्ग सञ्चालित किया गया। जिसका दिनचर्या प्रारूप निम्नवत् है -

समयः	08:00 - 08:45 am (अल्पाहारः)
समयः	09:00 - 01:00 pm
पाठ्यबिन्दुः/कार्यक्रमः	बिन्दुविमर्शः (प्रथमदिनस्य पाठ्यक्रमस्य)
शिक्षकः	मुख्य - श्री नरेन्द्रकुमारः सहायक – श्री लवीशः शिक्षण-प्रमुख - डॉ. धनञ्जय कुमार आचार्यः
समयः	01:00 - 02:00 pm (भोजन)
समयः	02:00 - 03:00 pm
पाठ्यबिन्दुः/कार्यक्रमः	पाठनाभ्यासः (प्रथमदिनस्य पाठ्यक्रमस्य)
शिक्षकः	व्यासगणे – श्री अमोलमणिमिश्रः, सुश्री आयु, श्री पङ्कजः भासगणे – डॉ. दीप्तिः झा, श्री अजितकुमारः कालिदासगणे – सुश्री एरणा, सुश्री रणीता शिक्षकाणां सम्भाषणवर्गे – श्री पवनकुमारः
समयः	03:00 - 04:00 pm
पाठ्यबिन्दुः/कार्यक्रमः	बिन्दुपाठनम् (प्रथमदिनस्य पाठ्यक्रमस्य)

शिक्षकः	व्यासगणे – श्री अमोलमणिमिश्रः, सुश्री आयु, श्री पङ्कजः भासगणे – डॉ. दीप्तिः झा, श्री अजितकुमाःर कालिदासगणे – सुश्री एरणा, सुश्री रणीता शिक्षकाणां सम्भाषणवर्गे – श्री पवनकुमारः
समयः	04:00 - 05:00 pm
पाठ्यबिन्दुः/कार्यक्रमः	बौद्धिकसत्रम् (सामूहिकम्)
शिक्षकः	प्रो. भारतेन्दुपाण्डेयः, श्री नरेन्द्रकुमारः, प्रो.रणजित् बेहेरा, श्री लवीशकुमारः, डॉ. धनञ्जय कुमार आचार्यः, डॉ. देवकीनन्दनः, श्री अमोलमणिमिश्रः
समयः	05:00 pm (अल्पाहारः)

प्रतिदिन संस्कृत सम्भाषण के प्रशिक्षण के साथ–साथ सायं 4 बजे से 5 बजे तक प्रेरणा सत्र का भी आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिदिन प्रेरक के रूप में अलग–अलग विद्वानों ने उपस्थित होकर अपने उद्बोधन से छात्रों को प्रेरणा प्रदान की। जिनमें प्रो. भारतेन्दु पाण्डेय, श्री नरेन्द्र कुमार, प्रो.रणजित् बेहेरा, श्री लवीश कुमार, डॉ. धनञ्जय कुमार आचार्य, डॉ. देवकी नन्दन, श्री अमोलमणि मिश्र आदि प्रमुख थे।

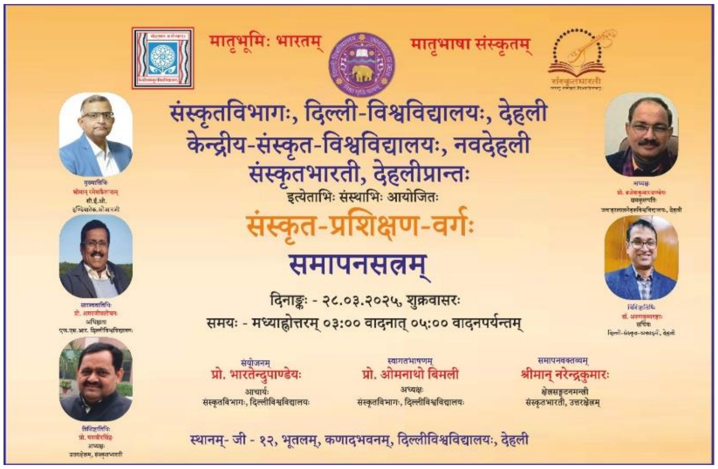

इस प्रकार अत्यन्त हर्ष एवं उत्साह के साथ इस वर्ग का सफलतापूर्वक समापन 28/03/2025 मध्याह्नोत्तर 3 बजे किया गया। उक्त सत्र में छात्रों ने अपनी–अपनी प्रतिभा प्रस्तुत की। इस समापन सत्र की अध्यक्ष के रूप में प्रो. ब्रजेश कुमार पाण्डेय (समकुलपति, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली) मुख्यातिथि के रूप में श्रीमान् रमेश कैलाशम् (सी.ई.ओ., इन्डियाटेक, ओआरजी), सारस्वतातिथि के रूप में प्रो. अमर जीवलोचन (अधिष्ठाता, एफ.एस.आर. दिल्ली विश्वविद्यालय) एवं विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. यशवीर सिंह (अध्यक्ष, उत्तरक्षेत्र, संस्कृतभारती) आदि उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में अपने स्वागत भाषण से सभी का वाचिक स्वागत प्रो. ओमनाथ बिमली, समापन वक्तव्य श्रीमान् नरेन्द्र कुमार, एवं संयोजन प्रो. भारतेन्दु पाण्डेय ने किया। डॉ. धनंजय कुमार आचार्य ने संस्कृत प्रशिक्षण वर्ग का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

वर्ग के कुछ स्मरणीय चित्र

संस्कृतविभागः, दिल्ली-विश्वविद्यालयः, देहली
केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, नवदेहली
प्रो. रणजित् बेहेरा

संस्कृतविभागः, दिल्ली-विश्वविद्यालयः, देहली
केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, नवदेहली
संस्कृतभारती, देहलीप्रान्तः
संस्कृत-प्रशिक्षण-वर्गः

संस्कृत-प्रशिक्षण-वर्गः
उद्घाटनसत्रम्

संस्कृतविभागः, दिल्ली-विश्वविद्यालयः, देहली
केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, नवदेहली
संस्कृतभारती, देहलीप्रान्तः
संस्कृत-प्रशिक्षण-व